हरिभूमि

# भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, रविवार, 24 अगस्त 2025

11 चित्रकला प्रतियोगिता में माहिरा प्रथम और कृति...

12 भिवानी बवानीखेड़ा को हरा कर बना चैम्पियन

### मौसम ने फिर से करवट बदली

# बूंदाबांदी से लुढ़का पारा गर्मी-उमस से मिली मुक्ति

## हलकी बारिश से पारा 33 डिग्री सेल्सियस से लुढ़ककर 31 पर आया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

करीब डेढ़ सप्ताह से बादलों की आंख मिचौली व शुष्क मौसम रहने के बाद शनिवार को मौसम ने फिर से करवट बदली। हालांकि तेज बारिश नहीं आई,लेकिन बूंदाबांदी ने ऊपर बढ़ रहे पारे का गुरुर तोड़ दिया। बूंदाबांदी से दो डिग्री सेल्सियस पारा नीचे लुढ़क आया। जिस वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं उमस से पूरी तरह से छुटकारा मिल गया। चूंकि पिछले कई दिनों से बारिश न होने की वजह से उमस व गर्मी से लोग बेहाल थे।

शनिवार को हल्की बूंदाबांदी से पारा 33 डिग्री सेल्सियस से लूढक कर 31 पर आ गया। दूसरी तरह हलकी बूंदाबादी से खरीफ की फसलों में फायदा होगा। क्योंकि कपास की फसलों में फूल व फल बन रहा है और अब उनमें सिचांई की भी जरूरत थी। आज हुई हलकी बारिश से कपास की फसल में फायदा होगा। सुबह सवेरे जब लोग सोकर उठे तो उस वक्त आसमान में चटक धूप खिली हुई थी,लेकिन धीरे धीरे दिन चढ़ा तो गर्मी बढ़ने लगी और आसमान में काली घटा छा गई। दोपहर तक मौसम शुष्क बना रहा। बारिश नहीं आई करीब पौने दो बजे के बाद आसमान से बौछार गिरनी शुरू हुई। पहले तो हलकी फिर तेज हुई,लेकिन ज्यादा देर तक नहीं चली पाई। हलकी बूंदाबांदी से भी पारा दो डिग्री नीचे आ गया। पारा नीचे आने से लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली।

भिवानी। बारिश से बचने के लिए छाता ओढ़कर जाता एक युवक।

### शुष्क इलाकों में फसलों में होगा फायदा

जिन इलाकों में अभी तक बारिश का पानी जमा है। इन इलाकों में हलकी बूंदाबांदी का फायदा होने की बजाए नुकसान है,लेकिन जहां पर सिंचाई के लिए पानी कम है और खुश्क इलाका है। वहां पर हलकी बूंदाबांदी से भी फायदा होगा। क्योंकि उन इलाकों में खरीफ की फसलों के लिए भूमि में नमी बढ जाएगी। अगर फसलों को पर्याप्त नमी मिलेगी तो उस इलाके की फसलों में ज्यादा फल व फूल आएंगे और उसकी औसतन पैदावार में अच्छी खासी बढौतरी होगी। इसी तरह बाजरे की फसल पकने पर है। उस फसल को भी सिंचाई की जरूरत थी। इसी तरह ज्वार की फसल को भी सिंचाई की जरूरत है। वहां पर हलकी बूंदाबांदी से भी फायदा होगा।

# लोहारू के आसपास के क्षेत्रों में 8 एमएम बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहारू

पिछले कई दिनों से बरसात नहीं होने से कपास, ग्वार, बाजरा और मूंग सहित कई फसलों में नुकसान होने की संभावना बनी हुई थी। लेकिन शनिवार दोपहर बाद लोहारू और आसपास के इलाके में हुई करीब 8 एमएम से अधिक बरसात ने सभी फसलों को संजीवनी देने का काम किया है। कृषि विभाग के विनोद सांगवान और विजय भूंगला ने बताया कि इन दिनों इलाके में बाजरा, कपास, ग्वार व मूंग सहित अनेक फसलों खेतों में लहलहा रही हैं। लेकिन पिछले कुछ दिनों से बरसात नही होने के कारण फसलों पर विभिन्न रोगों फैलने की आशंका बन गई थी और फसलें भी मुरझाने लगी थी।

उन्होंने बताया कि इलाके में शनिवार को हुई बरसात ने फसलों को संजीवनी देने का काम किया है। विजय भूंगला ने बताया कि इस बरसात

के बाद किसान ग्वार की फसल में 500 ग्राम रोबोर दो सौ लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें किसान सीओसी की मात्रा भी डाल सकते हैं। यह छिड़काव फसलों के लिए काफी उपयोगी होगा। उधर बरसात के बाद लोहारू शहर में भी कई सड़कें जलमग्नल हो गई। पुराना शहर माता चौक और वार्ड न. तीन की एक गली में हमेशा की तरह बरसाती पानी जमा हो गया। यहीं पहीं चौ देवीलाल चौक पर भी बरसाती पानी के भराव के कारण लोगों को परेशानी हुई।

## गोस्वामी लालदास मंदिर में मेला भादो षष्ठी का आयोजन 28 और 29 को

**भिवानी**। श्रीश्री 1008 गोस्वामी लालदास महाराज के 79वें निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में जैन चौक स्थित गोस्वामी लालदास मंदिर में 28 व 29 अगस्त को मेला भादो षष्ठी का भव्य आयोजन होगा। इस दौरान भंडारा, ज्योति यात्रा व श्रीश्याम बाबा जागरण का आयोजन किया जाएगा।

मंदिर के सचिव गणपतराय जसूजा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 28 अगस्त को शाम 5 बजे से प्रभु इच्छा तक श्रीश्याम बाबा का जागरण होगा, जिसमें प्रसिद्ध कलाकार तनु हिसार, गौरव अग्रवाल भिवानी, मोनू सांवरिया भिवानी, मनोज नेत्रहीन और कृपा सांवरे का परिवार भिवानी द्वारा अपनी प्रस्तुतियां दी जाएगी तथा भजन-गीतों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणमान किया जाएगा। वहीं 29 अगस्त को प्रातः सवा 8 बजे हवन होगा तथा हवन के बाद सत्संग और सुंदर कांड पाठ का आयोजन होगा। सुबह 9:15 बजे से ब्रह्मभोज और दोपहर 12 बजे से विशाल लंगर शुरू होगा। इसके उपरांत शाम चार बजे ज्योति यात्रा निकाली जाएगी। जसूजा ने बताया कि आयोजन श्रीगोस्वामी लालदास मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा।

*भ्रूण हत्या पर रोक का संदेश दिया*

# बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

स्वास्थ्य विभाग की तरफ से गांव ढ़ाणा लाडन पुर में लिंगानुपात में सुधार के उद्देश्य से बेटी बचाओ , बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। रैली में राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों ने बैनर व पोस्टरों के माध्यम से नारे लगाते हुए कन्या भ्रूण हत्या पर रोक का संदेश दिया।

इस दौरान सीएचसी मानेहरु से एसएमओ डा. रितू ने कहा कि वर्तमान समय में समाज की मानसिकता के चलते लिंगानुपात में गिरावट आ रही है। जिसमें सुधार के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। इसकी लिए लोगों को समझना होगा कि बेटी प्रत्येक परिवार व माता पिता का अभिमान होती है जो दो परिवारों का नाम रोशन करती है। स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य निरीक्षक दलीप सिंह ने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी हैं और वे उच्च मुकाम हासिल कर रही हैं। कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने तथा बेटियों को बचाने के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। रैली के बाद विद्यार्थियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाते हुए अपने अभिभावकों सहित आसपास के लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि अधिवक्ता बिजेन्द्र सिंह , मुकेश देवी, मंजू रोहिल्ला, आशा वर्कर कुसुम आदि मौजूद रहे।

**सेहत** दोपहर के भोजन से दो घंटे पहली दी जाएगी खुराक

*अब बाल वाटिका-iii से लेकर आठवीं कक्षा के तक बच्चों को सप्ताह में मिलेगी दो बार*

# स्कूलों में 'प्रोटीन मिल्कबार' से सुधरेगी 'बालकों की सेहत'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

शिक्षा विभाग बच्चों की सेहत को सुधारने के प्रति गंभीर हो गया। अब बाल वाटिका-iii से लेकर आठवीं कक्षा के तक बच्चों को सप्ताह में दो बार प्रोटीन मिल्क बार दी जाएगी। इन क्लासों के बच्चों को ये मिल्क बार दोपहर का भोजन खिलाने से करीब दो घंटे पहले खिलाई जाएगी। ताकि उन बच्चों का सही ढंग से पोषण हो सके।

इससे पहले बच्चों को दोपहर का भोजन दिए जाने से करीब दो घंटे पहले दूध दिया जाता था। अब उसकी जगह प्रोटीन मिल्क बार दी जाएगी। इसके लिए सभी स्कूलों में प्रोटीन मिल्क बार की खेप भेजी जा चुकी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों में पत्र भेजकर इस माह से सभी प्राइमरी स्कूलों में बच्चों को सप्ताह में दो बार प्रोटीन मिल्कबार दिए जाने के निर्देश दिए है। यह मिल्क बार करीब 30 ग्राम की होगी।

**सेहत में होगा सुधार:** इस बारे में राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला प्रधान मास्टर भूपेंद्र चाहर ने बताया कि प्रोटीन मिल्क बार से बच्चों की सेहत में सुधार आएगा। विभाग के दिशा निर्देशों के अनुसार बच्चों को दोपहर का भोजन दिए जाने से पहले प्रोटीन मिल्क बार दी जानी आरंभ भी कर दी है। पर सर्दी के मौसम में बच्चों के लिए गूंद की फिन्नी भेजी जानी निहायत जरूरी है। चूंकि गूंद की फिन्नी से बच्चों का ज्यादा विकास व हष्टपुष्ट होते है।

# इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

*इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।*

### इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

### क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

### आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

### मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

### निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

### फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

### बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

### इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

### एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

### टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

### कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

### हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क

ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

# दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

### इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

### बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

### सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

### बीमा करवाएं, महत्व समझें

**हेल्थ इंश्योरेंस :** यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

**टर्म लाइफ इंश्योरेंस :** तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

### दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

### अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

# बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

- बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी
- सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं
- फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

### रेवेन्यू का विश्लेषण करें

सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

### निश्चित लागत घटाएं

इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-जरूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

### आपात स्थिति के लिए फंड

बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

### अपने बेनेफिट्स को समझें

बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्स से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

### बजट का रिव्यू करें

बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

### मुनाफे की निगरानी व समीक्षा

अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

### बाजार अनुसंधान व विश्लेषण

अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

**अलर्ट** 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

**निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा**

# रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

### निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल

अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

### 20 की उम्र में निवेश ऐसे करें
- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- इयूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

### 25 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

### 30 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

### 35 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

### 40 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12% ● इयूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

### लम्प सम : 100 गुना रिटर्न

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।

## खबर संक्षेप

### योगाचार्य जेई बिजेश ने दी समाज को प्रेरणा

**भिवानी।** जहां लोग अपने जन्मदिन पर पार्टियों और फिजूलखर्ची में व्यस्त रहते हैं, वहीं योगाचार्य जेई बिजेश जावला ने अपने 53वें जन्मदिन को समाजसेवा, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित कर एक अनोखी मिसाल कायम की। कोंट रोड मिनी बाईपास स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में चल रहे निःशुल्क ट्यूशन सेंटर के बच्चों के बीच उन्होंने पठन सामग्री और फल वितरित किए।

### पुलिस ने चलाया ड्रंक एंड ड्राइव अभियान

**भिवानी।** पुलिस ने चालकों के ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चलाया। पुलिस ने वाहनों की जांच की। देर रात तक पुलिस का इस तरह का अभियान जारी रहा। पुलिस व यातायात पुलिस ने पांच दिन में 54 चालान ड्रंक एंड ड्राइव के मामलों में किए। पुलिस अधीक्षक भिवानी सुमित कुमार ने कहा है कि वाहन चलाते समय शराब का सेवन न करें, यह न केवल आपके जीवन बल्कि दूसरों की जान के लिए भी खतरा है। बुलेट मोटरसाइकिल या अन्य वाहनों में अवैध संशोधन कर पटाखे जैसी आवाज निकालना कानूनन अपराध है,जो दुर्घटनाओं और सार्वजनिक शांति भंग का कारण बनता है। ब

### एसएल इंटरनेशनल में विशेष सत्र का आयोजन

**भिवानी।** एसएल. इंटरनेशनल विद्यालय में प्रातःकालीन प्रार्थना सभा के समय एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुमारी तनु भजन उपदेशिका द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित किया गया। कुमारी तनु ने अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली वाणी के माध्यम से भजनों और लघु कथाओं के जरिए बच्चों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उत्तम चरित्र निर्माण की प्रेरणा दी तथा यह संदेश दिया कि हमें सदैव अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए।

### एनएसएस शिविर का सफल आयोजन

**बवानीखेड़ा।** राजकीय वमावि में प्राचार्या संतोष भाकर के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी नवीन कुमार के नेतृत्व में एन.एस.एस. का शिविर आयोजित किया गया। कैम्प की शुरुआत लक्ष्य गीत के द्वारा की गयी। शिविर के अंतर्गत विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान चलाया तथा नशा मुक्ति विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

### भगवान श्रीकृष्ण की छठी धूमधाम से मनाई

**चरखी दादरी।** ब्राह्मण भवन में वीरवार दोपहर श्रीश्याम महिला मंडल द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की छठी बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई। इस अवसर पर भजन-संध्या में महिला मंडल की सभी महिलाओं ने भक्ति भाव से सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुतियां दी, जिनसे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। भजनों की मधुर स्वर तरंगों पर महिलाएं भाव-विभोर होकर झूम उठी और भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में नृत्य करने लगी।

### संस्कार प्ले स्कूल में प्रतियोगिता का आयोजन

# चित्रकला प्रतियोगिता में माहिरा ने मारी बाजी और कृति द्वितीय रही

बच्चों ने आम, फलों के वृक्ष, टोपी, गुब्बारे, सेब, छतरी, बस, कुल्फी, गुड़िया, स्टार, उगता सूरज आदि के चित्र बनाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

**भिवानी।** शिक्षिकाओं के साथ चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थी।

डेरावाल धर्मशाला में संचालित संस्कार प्ले स्कूल में विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ हुआ। विद्यालय की प्राचार्या अंजू शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कल्पनाशीलता का मनमोहक प्रदर्शन किया।

इस मौके पर बच्चों ने आम, फलों का वृक्ष, टोपी, गुब्बारे, सेब, छतरी, बस, कुल्फी, गुड़िया, स्टार, उगता सूरज, फुटबॉल, मछली और तिरंगा जैसे विभिन्न विषयों पर सुंदर चित्र बनाकर अपनी कला के प्रति रुचि और कौशल को उजागर किया। प्रतियोगिता में संध्या, यशवी, मुक्ता, कार्तिक, काव्या, दिखसू, परंजल, अपूर्व, अमायरा, धीरन, गौरव, जानवी, जियांश, कृश्वी, बेबी, माही, कृति, अमिका, जेसिका, दीया, माहिरा, तन्वी, लवीश, निहारिका, ख्वाहिश, काव्या, युग, घनश्याम, भव्या, कियान, सिया, दिशा, शंख, लव्यांश, भरत, एकाश, लखप्रीत, आयुष, रितिका, विनय, युवांश, जानवी, अनमोल, श्रीहति, प्रिंस सहित अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल द्वारा घोषित परिणाम में माहिरा को प्रथम, कृति को द्वितीय तथा अनमोल को तृतीय स्थान पर चुना गया, वहीं घनश्याम को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता प्रतिभाओं को सम्मानित किया और सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर विद्यालय संचालक डॉ. सुभाष जैन ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

### पेंटिंग प्रतियोगिता में तनिक्षका पहले और केशव दूसरे स्थान पर रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी।

चिड़िया गांव के बाघोत रोड स्थित संस्कारम् प्ले स्कूल में शनिवार को ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता एवं रचनात्मकता को रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त करते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या मोनिका जांगड़ा की देखरेख में हुआ। उन्होंने प्रतिभागियों को आवश्यक सामग्री प्रदान कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के दौरान नेहा, उदिती, नायरा, पंकज, विकास, सारांश, कुनाल, तेजस, केशव, आर्यन, तनिक्षका, भव्या, आरुषि, प्रियंका व मयंक आदि बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें तनिक्षका प्रथम, केशव द्वितीय, कुनाल तृतीय, उदिति चतुर्थ तथा नेहा पंचम स्थान पर रहे। विजेताओं की पेंटिंग को विशेष सराहना मिली। प्राचार्या मोनिका जांगड़ा ने विजेता बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए और सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों की रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और प्रतिभा को निखारने में सहायक सिद्ध होती हैं।

**भिवानी।** प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए।

## आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में विजेता छात्रों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

- विद्यालय की आयु वर्ग 19 की खो-खो टीम ने प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर में प्रातः सभा के दौरान विद्यालय के उन छात्रों का विशेष सम्मान किया गया, जिन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। हाल ही में भिवानी पब्लिक स्कूल, भिवानी में आयोजित अंतर-विद्यालयी हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता में विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राएँ कक्षा 7वीं की भावना एवं कक्षा 9वीं की भावना ने विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। दोनों छात्राओं का मार्गदर्शन हिंदी प्रवक्ता ममता शर्मा (हिंदी) द्वारा किया गया।

इस प्रतियोगिता में कक्षा 7वीं की भावना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया और विद्यालय को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन आनंद यादव ने विजेता छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किया और कहा कि ऐसे मंच छात्रों को अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर देते हैं। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ भी दीं। इसी क्रम में विद्यालय की आयु वर्ग 19 की खो-खो टीम ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस शानदार जीत के साथ ही अब विद्यालय की टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय एवं जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। विद्यालय के प्राचार्य नितीश मिश्र ने सभी विजेता छात्रों को हार्दिक बधाई दी और कहा कि ऐसी उपलब्धियाँ विद्यार्थियों को निरंतर उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करती हैं। चेयरमैन आनंद यादव के साथ प्रिंसिपल नीतीश मिश्र निदेशक साहिल यादव मंजू भारद्वाज स्वीटी रानी व ममता के साथ भावना निदेशक साहिल यादव, प्राथमिक प्रभारी प्रोमिला यादव सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

## कादमा गोलीकांड के शिकार किसानों को किया नमन

- कादमा गोलीकांड की बरसी पर किसानों के बलिदान को याद कर दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

**भिवानी।** कादमा बलिदानी स्मारक स्थल पर बलिदानियों को नमन करने को उपस्थित किसानों को संबोधित करते किसान। फोटो : हरिभूमि

कादमा गोलीकांड की 31वीं बरसी पर गांव कादमा में शोकसभा का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने शहीद किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर 1995 में किसानों के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले रवींद्र सांगवान झोझू शोकसभा के अध्यक्ष रहे। उन्होंने शहीद किसानों के संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए कहा कि यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और किसान आंदोलन की प्रेरणा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी पार्टी की हो किसानों को संगठित होकर अपने अधिकारों के लड़ते रहना चाहिए।

किसान मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कोथ ने सभा को संबोधित करते हुए किसानों की एकता और अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसान अपने हक के लिए संघर्षरत हैं और शासन-प्रशासन को किसानों की बात सुननी चाहिए। हर सरकार ने किसानों का शोषण किया है, इस सरकार ने सारी हद पर कर किसान के साथ-साथ हर वर्ग को दबाने का काम किया है। भाकियू (नैन) के अध्यक्ष जोगेंद्र नैन ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारें किसानों की जमीनें हड़पने की कोशिश कर रही हैं।

**ये रहे मौजूद**

इस अवसर पर श्योराण खाप प्रधान विजेंद्र सिंह बेरला, फौगाट खाप प्रधान सुरेश फौगाट, जाट संघ प्रदेशाध्यक्ष गंगाराम श्योराण, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील इंजीनियर, बलवान आर्य, अनिल बेरला, सुरेश कोथ, जजपा किसान सेल प्रदेशाध्यक्ष नरेश द्वारका, सज्जन बलाली, भाकियू जिलाध्यक्ष हरपाल भांडवा, सरपंच प्रतिनिधि महेश शर्मा, सुरेश थालौर, कप्तान भीम सिंह द्वारका, राजकुमार हड़ौदी, विजय श्योराण काकड़ोली, प्रदीप सरपंच गोपालवास, विकास सरपंच माई कलां, सचिन सरपंच बडराई, महेश सरपंच कादमा आदि मौजूद रहे।

## स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी, स्वस्थ व्यक्ति ही कर सकता हैं स्वस्थ समाज का निर्माण: बीक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी है, स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा में जीके अस्पताल चरखी दादरी द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ करते हुए सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारा खान पान शुद्ध पवित्र व सात्विक होना चाहिए, क्योंकि अन्न का प्रभाव मन व तन पर पड़ता है।

ब्रह्माकुमारी वसुधा ने उपस्थितजन को जीवन में राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताते हुए कहा कि मेडिटेशन से हम अनेक मानसिक बीमारियों से बच सकते हैं। डॉ. सुनील, सौरव, शिवानी व अभिषेक आदि की टीम ने 105 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर दवाई वितरित की। उन्होंने कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य की समय-समय पर जांच करवाते रहना चाहिए, ताकि कोई छोटी बिमारी बड़ा रूप न ले पाए। जिला पार्षद प्रतिनिधि अशोक थालौर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन काबिले तारीफ है। स्वस्थ मानव ही स्वच्छ व स्वस्थ घर परिवार व समाज का उत्थान कर सकता है।

## मॉडल स्कूल खरक खुर्द में बच्चों साइबर क्राइम बारे किया जागरूक

भिवानी। मॉडल संस्कृति व. मा. विद्यालय खरक खुर्द में साईबर क्राइम जागरूक अभियान के बारे में बताया गया । इस अभियान में साईबर क्राइम टीम सदस्य विष्णु, गौरव भारद्वाज, निखिल मुटरेजा, आर्यन गोपाल व हिमांशु का स्कूल प्रांगण में पहुँचने पर स्कूल प्रबंधन सदस्य समिति व प्रधानाचार्य द्वारा फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। अपने अभिवक्तव्य में साईबर क्राइम सदस्यों द्वारा आज के समय मे चल रही धोखाधड़ी, फ्रॉड वीडियो कॉल , अपना पासवर्ड किसी को ना बताए, वीडियो गेम द्वारा पैसे जितना जैसे प्रलोभन के बारे में बच्चों को बताया गया तथा बच्चों को मोबाइल फ़ोन से दूरी बनाए रखने की सलाह दी। इस अवसर पर सप्रधानाचार्य प्रतीक जांगड़ा ने कहा कि बच्चों को मोबाइल का ज्यादा प्रयोग नहीं करना चाहिए व मोबाइल का प्रयोग हमेशा ही अच्छे कार्य के लिए करे इसका गलत प्रयोग नहीं करना चाहिए। स्कूल प्रबंधन सदस्य समिति सुरेश जांगड़ा ने बच्चों को अपने वक्तव्य में बताया कि हमे मोबाइल फोन का सही कार्यों के लिए करना चाहिए।

## शिक्षा किताबों तक सीमित नहीं, बच्चों में सकारात्मक सोच का समावेश जरूरी: पिंकू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- बच्चों का झुकाव पढ़ाई की ओर कम और हिंसक प्रवृत्तियों की ओर अधिक

समाज के लिए सबसे बड़ी चिंता आज यह है कि स्कूलों में बच्चों का झुकाव पढ़ाई से कम और हिंसक प्रवृत्तियों की ओर अधिक होता जा रहा है। पारिवारिक तनाव, मोबाइल और इंटरनेट पर बढ़ती हिंसक सामग्री, परीक्षा का दबाव और संस्कारों की कमी इसके बड़े कारण माने जा रहे हैं। परंतु हर समस्या का समाधान भी है। यदि हम बच्चों को सही दिशा दें, उन्हें समय दें और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराएँ, तो वे पढ़ाई की ओर स्वतः आकर्षित होंगे व हिंसा से दूर रहेंगे।

यह बात शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने प्रैस को जारी ब्यान में कही। पिंकू ने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें संस्कार, सहयोग और सकारात्मक सोच का समावेश होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों और घरों में संवाद का माहौल बनाना चाहिए, ताकि बच्चे अपनी समस्याएं साझा कर सकें, बच्चे के अंदर छुपी हुई प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा में प्रेरित करना ही शिक्षक और अभिभावक दोनों का कर्तव्य बनता है ,हर बच्चा माता पिता और शिक्षक के लिए होता है महत्वपूर्ण विनोद पिंकू ने कहा कि यदि समाज, शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और प्रेरणादायक वातावरण देंगे, तो निश्चित रूप से बच्चे पढ़ाई की ओर मन लगाएंगे और हिंसा से दूर रहेंगे। यही बदलाव की पाठशाला की असली दिशा और सोच है। बच्चों को डांटकर नहीं, प्यार और प्रेरणा देकर किया जा सकता है-बदलाव। बच्चों के माता-पिता अभिभावकों द्वारा भी समय-समय पर स्कूल में आना होगा, पढ़ाई के अलावा घर पर क्या-क्या कार्य किए जाते हैं, उसके दोस्त घर और स्कूल किस प्रवृत्ति के हैं के बारे में शिक्षक और अभिभावक को बैठक अवश्य करें।

## शिविर में 58 लोगों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय दिव्य भवन रूद्रा कॉलोनी में ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 18वें पुण्य स्मृति दिवस पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। दादीजी बहुत ही निमित्त, निर्माण एवं निर्मल व्यक्तित्व की धनी थी और उनकी सर्वसमाज की सर्व आत्माओं के प्रति अथाह प्रेम, दया एवं करुणा की भावना रखती थी, इसीलिए उनकी पुण्य स्मृति में हर वर्ष ब्रह्माकुमारीज विश्वविद्यालय कोई न कोई समाज कल्याण का कार्य करते रहते हैं।

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ये विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है, क्योंकि रक्तदान से अनेक असहाय जरूरतमंदों के जीवन को बचाए जा सकता है। शिविर में अभी तक 58 लोगों ने रक्तदान किया और आंकड़ा 80 तक जाने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यतिथि भवानी प्रताप, सिंह, विशिष्ट अतिथि वर्धमान ज्वैलर्स व हमारा अपना फाउंडेशन के चेयरमैन सचिन जैन, भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष विनोद चावला ने द्वीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर प्रमोद कुमार,एसके सिंह, बीके रितिका, बीके रूहानी, बीके सचिन आदि मौजूद रहे।

### बेटी की मौत पर ना करें राजनीति सरकार पर पूरा भरोसा : संजय

पिता संजय कुमार।

**लोहारू।** बहुचर्चित अध्यापिका मनीषा प्रकरण मामले में जहां मृतका के शव के अंतिम संस्कार के बाद धरने प्रदर्शनों का दौर समाप्त हो गया लेकिन इलाके में चर्चाओं पर विराम नही लग पाया है। मृतका अध्यापिका के पिता ने भी लगातार आ रहे भिन्न भिन्न पार्टी नेताओं पर बयानों पर एतराज जाहिर किया है और एक वीडियो जारी करके राजनीतिक दलों के नेताओं ने बेटी के मौत के मामले में राजनीति नहीं करने की अपील की है। मृतका अध्यापिका के पिता संजय के वायरल हो एक वीडियो में उन्होंने कहा कि बेटी मनीषा की मौत के मामले में एम्स से पुनः पोस्टमार्टम करवाने और मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग सरकार के समक्ष रखी थी। नायब सिंह सैनी की सरकार ने उनकी मांगे मान ली थी। उन्होंने राजनीतिक दलों के नेताओं से अपील की कि वे उनकी बेटी की मौत के मामले में राजनीति ना करें। बता दें कि 21 अगस्त को मृतका के पार्थिक शरीर का गांव ढाणी लक्ष्मण में अंतिम संस्कार दिया गया था। वहीं सरकार ने पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की तैयारी शुरू कर दी थी। अध्यापिका प्रकरण को लेकर दो दिन बाद भी चर्चाओं का सिलसिला थमा नही है और हर कोई इस मामले के असल दोषियों को लेकर भिन्न भिन्न कयास लगा रहे हैं। सोशल मीडिया और यूट्यूब पर हुई कार्रवाई की हो रही चर्चा, निर्धारित हों पत्रकारिता के मापदंड अध्यापिका प्रकरण मामले में पत्रकारिता को लेकर भी इन दिनों चर्चाओं का बाजार गर्म है। इस पूरे मामले को लेकर लोगों में जहन पैदा हुए विरोधाभाषी विचारों के लिए लोग सोशल मीडिया को जिम्मेदार मान रहे है।

### संत कृपाल सिंह के एक बनो, नेक बनो एवं एक रहो स्लोगन का करें अनुशरण

# संत कृपाल सिंह की पुण्यतिथि पर लगाया भंडारा

- आत्मिक चेतना का उत्थान करने पर ही सच्चा राष्ट्र निर्माण संभव : एडीजे मनीषू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

**भिवानी।** भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करते एडीजे मनीष कुमार।

सावन कृपाल रूहानी मिशन की भिवानी शाखा ने परमसंत कृपाल सिंह महाराज की 51वीं पुण्यतिथि पर बस स्टैंड पर विशाल भंडारे का आयोजन किया। इस आयोजन में सैंकड़ों राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे का उद्घाटन रोडवेज डिपो महाप्रबंधक दीपक कुंडू व रोडवेज यातायात प्रबंधक भरत परमार ने किया। इस दौरान प्रिंसिपल जज (जिला फैमिली कोर्ट) जसवीर सिंह सिद्धू व सीजेएम पवन कुमार ने भी सेवा कार्य में अपना सानिध्य प्रदान किया।

एडीजे मनीष कुमार ने संत कृपाल सिंह के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वे भारत के पहले संत थे, जिन्हें तत्कालीन भारत सरकार ने संसद भवन में आमंत्रित किया गया था। वर्ष 1974 में संसद के केंद्रीय कक्ष में उन्होंने सांसदों को संबोधित किया और कहा था कि सच्चा राष्ट्र निर्माण तभी संभव है, जब हम सभी अपनी आत्मिक चेतना का उत्थान करें। संत कृपाल सिंह की एक बनो, नेक बनो एवं एक रहो श्लोगन का अनुशरण करने की जरूरत हैं, इस श्लोग्न का अर्थ है कि हम सब परमात्मा का ही अंश हैं और एक होने के लिए हमें नेकी का मार्ग अपनाना होगा, तभी हम सभी में परमात्मा का रूप देख पाएंगे। मिशन की भिवानी शाखा के प्रधान सुरेंद्र तंवर ने बताया कि संत कृपाल सिंह ने अपने जीवनकाल में 90 हजार लोगों को नामदान की दीक्षा दी थी और वर्तमान में संत राजिंदर सिंह महाराज उनके कार्य को विश्वभर में आगे बढ़ा रहे हैं। सावन कृपाल रूहानी मिशन की विश्वभर में लगभग 3600 शाखाएं हैं, जहां लाखों लोग ध्यान अभ्यास के माध्यम से खुद को जानने एवं परमात्मा से जुड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं।

**ये रहे मौजूद**

इस अवसर पर आश्रम के उपप्रधान हेमंत पंवार, कोर्ट स्टाफ से एएसआई राजेश, सुशील, सदाराम, गुलाब, अमित, दुष्यंत, प्रवीण, आश्रम से राजेंद्र शेखावत, सुंदर जांगड़ा, प्रशांत सरदाना, प्रवीण तंवर, सज्जन, डॉ. जगमोहन, जेडी सरदाना, मूलचंद कटारिया, आकाश जांगड़ा, राहुल सैनी, आकाश सैनी, डॉ. राज, उषा, भावना, कमलेश, शकुंतला, धनपती, कुसुमलता, सुमित्रा, विमला आदि शामिल रहे।

### हुडा कॉलोनी के रोड के हालात बिगड़े, निकलने को नहीं है रास्ता

बवानी खेड़ा स्थित हुडा कॉलोनी के हाल इस कद्र खराब हो चुके हैं कि लोग यहां रहने को मजबूर दिखाई दे रहे हैं। लोगों का मानना है कि जब से कॉलोनी बनी है शायद विभाग द्वारा बनाई गई सड़कों की सुध ली हो और बची-खुची कसर वाहनों ने निकाल दी। लोगों में डॉ. राजेश कुमार ठकराल, ललित जैन, सज्जन कुमार, मुनीष, सत्यवान, कृष्ण, मनोज कुमार आदि ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन भर की पूंजी अपने आशियानें पर लगा दी पर कोई फायदा दिखाई नही देता। पता नहीं उनकी कुरड़ी के भाग कब जागेंगे। इसी को लेकर लोगों ने अपने विचार साझा किए। सड़कों ने बिगाड़ दिया घर का नक्शा: राजेश ठुकराल डॉ. राजेश कुमार ठकराल की मानें तो हालिया नागरिक अस्पताल से लेकर तहसील कार्यालय तक मार्ग का निर्माण किया जा रहा है और सभी वाहन जिसमें ट्रक, बस, डंफर आदि कि वाहन चालक हुडा की सड़कों से लेकर आवागमन कर रहे हैं। सड़के धीमी वाहन चलाने योग्य भी नहीं है लेकिन वाहन चालकों द्वारा अपने वाहनों की रफ्तार को इतना तेज किया जाता है कि उनके आशियानों की दिवारें भी हिलने लगती है। इन सड़कों के क्षतिग्रस्त होने से उनके मकानों का नक्शा तक बिगड़ गया है। वे अपना मकान यहां बनाकर पछता रहे हैं। समाजसेवी एवं सामाजिक संस्था से जुड़े मनीष शंकर की मानें तो वे स्वयं इसी कालोनी में रहते हैं वे मानते हैं कि कॉलोनी में बहुत कमियां हैं। लेकिन नपा चेयरमैन ने अपना कार्यभार संभालकर पूरा विकास का खाका तैयार किया हुआ है। बजट आते ही हुडा कॉलेनी में सड़कों, नालियों, सीवरेज, बिजली-पानी, सफाई व्यवस्था, पार्कों का नवीनीकरण सहित पूरे शहर के विकास पर बल दिया जाएगा और शहर विकास के मामले में अलग दिखाई देगा।

## खबर संक्षेप

### चिकित्सकों की तर्ज़ पर सुरक्षा कवच मिलेः शास्त्री

**भिवानी।** पेंशन बहाली संघर्ष समिति के प्रदेश प्रवक्ता शिवकुमार शास्त्री ने कहा कि गत दिवस ढाणा लाडनपुर के सरकारी स्कूल में कार्यरत हिंदी प्राध्यापक व संघर्ष समिति के पूर्व कोषाध्यक्ष शिवकुमार के साथ हुई वारदात की पीबीएसएस कड़ी निंदा करता है। इस प्रकार की घटनाओं के चलते संघर्ष समिति सरकार से मांग करती है कि अध्यापकों को चिकित्सकों की तर्ज़ पर सुरक्षा मिले।

### ऑनलाइन गेमिंग के चक्रव्यूह से निकलेंगे युवा

**भिवानी।** आज की युवा पीढ़ी को ऑनलाईन गेमिंग के चक्रव्यूह में बुरी तरह से फंसे हुए है। जिसके चलते उनकी पढ़ाई, काम और सामाजिक जीवन पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में युवाओं को ऑनलाईन गेमिंग की लत से बाहर निकालने के लिए सरकार ने एक सराहनीय कदम उठाया है, जिसके तहत ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) बिल-2025 लाया गया है।

### कादमा गोलीकांड के शहीदों को किया याद

**लोहारू।** लोहारू में चल रहे किसानों के महापड़ाव के 39वें दिन किसानों ने धरने पर कादमा गोलीकांड के शहीदों को याद किया। सुलोचना देवी,हवासिहं जांगड़ा, कांशीराम, भरत सिंह और दरिया सिंह की अध्यक्षता में आयोजित शोक सभा में किसानों ने गोली कांड के शहीद सूबेदार हवा सिंह, शहीद रामप्रसाद, शहीद धर्मबीर सिंह, शहीद जयप्रकाश, शहीद दीपचंद की 31वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया।

### 210 रक्तदाताओं ने करवाया पंजीकरण

**चरखी दादरी।** ब्रह्मकुमारीज एवं समाजसेवा प्रभाग झोझूकलां द्वारा राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर 24 अगस्त रविवार प्रातः आठ से दोपहर दो बजे होने वाले विशाल रक्तदान शिविर में 210 रक्तदाताओं ने पंजीकरण करवाया। योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन चरखी दादरी के जिला उपाध्यक्ष बिशनसिंह आर्य, सचिव डॉ. सुरेंद्र शास्त्री व सुनील तिवाला ने शिविर में भाग लेने के लिए प्रेरित किया ।

### महिला से चेन छीनने का आरोपी गिरफ्तार

**भिवानी।** थाना सिविल लाईन पुलिस ने पार्क में घूमने आई महिला के गले से सोने की चेन छीनने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चेन व वारदात वाले दिन प्रयोग की गई एक मोटरसाइकिल को किया बरामद। सेक्टर- 23 निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि 20 अगस्त पार्क में घूमने के लिए आई थी जब वापस जा रही थी तो गले से सोने की चेन तोड़कर ले गया था।

### अध्यापक पर हमले की कड़े शब्दों में निंदा

**भिवानी।** गांव ढ़ाणा लाडनपुर में अध्यापक शिव कुमार पर हुए हमले की स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा (सलाह) ने कड़ी निंदा की है। इस घटना को समाज के लिए एक गंभीर और चिंताजनक विषय बताते हुए सलाह ने प्रशासन से इस दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की है।

# मच गया शोर सारी नगरी में, मेरे घर आएंगे श्रीराम एवं हे गौरा मत रौवे पर झूमे विद्यार्थी, लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल ने धूमधाम से मनाया नन्दोत्सव

**भिवानी।** भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रप्रियता का प्रेरक मानदंड हैं, उनके जीवन पर आधारित नंदोत्सव विद्यार्थी को प्राचीन समय का वास्तविक ज्ञान देते हैं, वहीं उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर भी देते हैं, ये बात लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल में नन्दोत्सव में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमेन डॉ. पवन कुमार ने कही।

समारोह महंत चरणदास महाराज के सानिध्य में हुआ। समारोह की अतिथि बोर्ड चेयरमेन डॉ. पवन कुमार, सीबीएलयू की रजिस्ट्रार डॉ. भावना शर्मा, नप चैयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह, संस्था के चेयरमेन त्रिलोकचंद्र गोयल व रमेश हेलमपुरिया ने शिरकत की। अतिथियों ने भगवान लड्डू गोपाल व मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख द्वीप प्रज्जवलन व माल्यार्पण से शुरुआत की।

### अतिथियों व अभिभावकों का आभार जताया

इस अवसर पर संस्थान की उपाध्यक्ष गिगी देवी, आन्नद प्रकाश गोयल, महासचिव डॉ. संजय गोगल, सीमा गोयल, प्रबंध निदेशक डॉ. पवन गोयल, भावना गोयल, प्रबंधक सतीश गोयल, रवि गोयल, निर्देशिका एश्वर्या सिंघल, निदेशक रामानन्द सिंगल, राहुल गोयल, विनय गोयल, निश्चल गोयल व साक्षी गोयल ने भी पुष्प अर्पित किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में नन्हें बच्चों ने गीत मच गया शोर सारी नगरी में नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में चतुर्थ कक्षा के काव्या, गर्व, पर्थ, हिमांशु ने मेरे राम मेरे घर आएंगे, तनिष्का, पिहु, कनिष्क, वियान, मुदीत ने 'ताला खुला, वृति, तिया, वंश, आरव, आरूषि ने 'रानी सती', निधि, जिया, गुरू, मनवीर, देवांशी ने 'हे गौरा मत रौवे, मानसी, आयान, युवान, काव्या, विहान ने पेरेन्टस चाईल्ड थीम' आदि गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रत्तुत किए। कक्षा छठी के देव, महिमा, दक्ष, उत्तम, नायरा ने राधा-कृष्ण होली, पावनी, विराज, अग्निमा, दक्ष, कुनाल ने 'माता अंजनी के लाल', जिविका, कनन, काव्या, वासु, मनन ने 'बासुरी कृष्ण की बजेगी' आदि गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किए। कक्षा छठी व चतुर्थ की छात्राओं आरवी, यादवी सोनी, निकिता, वैदया, परी, निधि, इशिका, माही, निकिता, गर्विता द्वारा 'रण में कूद पड़ी महाकाली, व प्रिन्सी, नियती, इशिका, रिधी, रितिका, भूमि, याशिका, अनन्या, वान्या, रिधि ने 'देशभक्ति गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह व प्रस्तुति देने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। नंदोत्सव में लिटिल चैंप शिवांगी, देवेश भटठी, नव्या भारद्वाज, युग यादव, इशिता, रजत, ओजश्वी, काव्य, तानाकक्षी, जेसविन, श्रेया, दीपिका व सिया ने बाखूबी ढंग से एंकरिंग की। अंत में एमडी पवन गोयल व भावना गोयल ने अतिथियों व अभिभावकों का आभार जताया।

भिवानी। लिटिल हार्टस स्कूल में नंदोत्सव की एंकरिंग करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते अतिथि। फोटो: हरिभूमि

इस मौके पर पार्षद सुभाष तंवर, विजय शर्मा, एडवोकेट सुमन शर्मा, डॉ. तरुण कुलश्रेष्ठ, विजय सिंगल, प्राचार्य दीपक जोशी, उपप्राचार्य मनमोहन चावला, प्राचार्या वीना सेठ, सेल हैड अरविंद राव, भावना, महेष्ठा, सोनिया खेमका, रश्मि, दिनेश मिश्रा व नीरज आदि मौजूद रहे।

लिटिल हार्टस में नृत्य की प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

## जिला स्तरीय अंडर-17 एवं अंडर-19 लड़कों की स्कूली खेल स्पर्धा का समापन समारोह

# भिवानी 38-35 से बवानीखेड़ा को हराकर बनी विजेता, खिले चेहरे

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में उप जिला शिक्षा अधिकारी ने की पीटीआई, डीपीई, शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता प्राचार्य एवं कर्मचारियों की प्रशंसा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। प्रतियोगिता में कबड्डी मैच में अंक लेने का प्रयास करते हुए व प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का परिचय लेते हुए। फोटो: हरिभूमि

जिला स्तरीय अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक वर्ग की खेल प्रतियोगिता का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी निर्मला दहिया की दिशानिर्देशों पर आयोजित किया जा रहा है। लडक़ों की खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह उप जिला शिक्षा अधिकारी शिव कुमार तंवर के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ व वशिष्ठ अतिथि जिला खेल अधिकारी भिवानी सतेंद्र कुमार रहे। मैच के कन्वीनर सत्यवान कोच की देख रेख में कबड्डी का मैच सम्पन्न हुआ।

अंडर-17 बालक वर्ग में कबड्डी का मैच भिवानी और बवानी खेड़ा ब्लॉक की टीमों के मध्य खेला गया। मैच के मुख्य रेफरी की भूमिका सत्यवान कोच, पवन मिताथल व तीसरे रेफरी की भूमिका जगबीर सिहाग ने, लाइनमैन की भूमिका गोपाल पीटीआई और वीरेंद्र पीटीआई ने निभाई। लडक़ों की अंडर 17 ,19 आयु वर्ग की स्कूल खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन में पीटीआई, डीपीई, शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता प्राचार्य एवं कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उप जिला शिक्षा अधिकारी शिव कुमार तंवर ने कहा कि किसी भी खेल आयोजन की सफलता उसके पीछे काम करने वाली टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत पर निर्भर करती है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रधानाचार्यों और अन्य स्कूल स्टाफ का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण था, जिन्होंने सुनिश्चित किया कि खिलाडिय़ों को सभी आवश्यक सुविधाएं मिलें और प्रतियोगिताएँ सुचारू रूप से चलें। उन्होंने भविष्य में भी इसी तरह के टीम वर्क और समर्पण की उम्मीद जताई, ताकि युवा खिलाडिय़ों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए और अधिक मंच मिल सकें। इस अवसर पर सभी अतिथियों व खिलाडिय़ों के जज्बे और खेल भावना की सराहना की और विजेता व उपविजेता टीमों को बधाई दी, शिव कुमार तंवर ने बताया कि 25 अगस्त से 26 अगस्त तक अंडर 17, 19 आयु वर्ग की लड़कियों की स्कूली खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

### कबड्डी मैच के सफल आयोजन निर्णायक व सहयोगी

प्रतियोगित में कन्वीनर सत्यवान कोच, रामचंद्र पूनिया, मांगेराम पीटीआई, पीटीआई वीरेंद्र, जगबीर पीटीआई,पीटीआई गोपाल, पवन मिताथल,डीपीई राजेश कलिंगा, जीतपाल शर्मा, बलवान डीपी ई,पीटीआई कमलेश पूर्णपूरा, सरिता, अरविंद कौशिक, सोमदत्त शर्मा, प्रतियोगिता के आयोजन में समिति में श्री भगवान ए ई ओ, प्राचार्य संतोष भाकर,राजेश ढांडा, पवन शास्त्री स्टेट अवार्डी, प्रवक्ता मदन गोपाल, गजानंद पीटीआई कोंट आदि का विशेष योगदान रहा।

### भिवानी ने बवानीखेड़ा को हरा कर बना चैम्पियन

मैच विवरण की जानकारी शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने देते बताया कि मैच का शुभारंभ टॉस के साथ किया गया। दोनों टीमों ने शुरुआती दौर में अपने अपने हुनर का अच्छा प्रदर्शन किया। शुरुआती पांच मिनटों में ही भिवानी की टीम ने बढ़त बनाते हुए बवानी खेड़ा को लोना लगा दिया और स्कोर 18-8 तक पहुंचा दिया। मध्यांतर तक स्कोर भिवानी – 18,बवानी खेड़ा – 12 रहा। मध्यांतर के बाद भिवानी टीम के इंचार्ज नसीब पीटीआई, कोच सुभाष बापोड़ा ने रणनीति बनाकर टीम को मैदान में उतारा। कप्तान शुभम राइट कॉर्नर, लेफ्ट कॉर्नर हर्षित, गौरव रेडर के आपसी तालमेल से भिवानी टीम का स्कोर 28 तक पहुंचा दिया। अंतिम चरणों में बवानी खेड़ा टीम के इंचार्ज पीटीआई राजेश कुमार खेड़ी ने टाइम आउट लेकर बवानी खेड़ा टीम खिलाडिय़ों में जोश भरा। बवानी खेड़ा कप्तान नैतिक लेफ्ट कॉर्नर, अंकित राइट कॉर्नर और रेडर राहुल व मोहित ने शानदार खेल दिखाया और अपनी टीम बवानी खेड़ा का स्कोर 35 तक पहुंचाया। अंत में रोमांचक मुकाबले में भिवानी टीम ने 38-35 से बवानीखेड़ा का हराकर भिवानी टीम विजेता बनी, उप विजेता बवानी खेड़ा टीम रही।

# सेंट जेवियर्स की छात्रा कनिका ने स्टेट में जीता गोल्ड मेडल

- स्वर्ण पदक जीत कर परिजनों व स्कूल का नाम रोशन करेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

10 अगस्त को कुरूक्षेत्र में राज्य स्तर पर आयोजित हुई कराटे प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स हाई स्कूल की छात्रा कनिका ने गोल्ड मैडल प्राप्त कर स्कूल व भिवानी जिले का नाम प्रदेश में रोशन किया है। छात्रा कनिका का मुंबई में 13 व 14 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल कराटे चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। राज्य स्तर पर गोल्ड मैडल जीतने पर छात्रा कनिका को बधाई देते हुए स्कूल प्रबंधक मनीष सिंह, स्कूल निदेशिका कीर्ति चौहान व प्रधानाचार्या ने कहा कि हमें उन पर गर्व है और पूर्ण विश्वास है कि नेशनल स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर छात्रा अपने परिजनों व स्कूल का नाम रोशन करेगी। उन्होंने कहा कि हमें शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। खेलों से हमारा शारीरिक व मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि यहां के खिलाडिय़ों ने विभिन्न खेलों के माध्यम से प्रदेश व देश का नाम अंतराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्होंने कहा कि सेंट जेवियर्स स्कूल में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों व अन्य गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाता है। प्रदेश व केन्द्र सरकार भी खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाओं को लागू कर रही है।

भिवानी। छात्रा को सम्मानित करते हुए।

### स्टेट चैंपियनशिप शूटिंग में दूसरा स्थान हासिल किया

**भिवानी।** भिवानी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने सीबीएसई स्टेट चैंपियनशिप शूटिंग में द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि में दीपेश,पृथ्वीराज और लक्ष्य का अहम योगदान रहा।उन्होंने अपनी शूटिंग स्किल्स से सबको प्रभावित किया। विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हो गया है। विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि के लिए छात्रों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह उपलब्धि न केवल छात्रों के लिए बल्कि विद्यालय के लिए भी गर्व का विषय है। दीपेश, पृथ्वीराज और लक्ष्य ने 1080 अंकों के साथ द्वितीय स्थान हासिल किया, जो कि एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उनकी इस सफलता से विद्यालय में शूटिंग के प्रति रुचि बढ़ेगी और अन्य छात्र भी इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित होंगे। निर्देशिका आशा पाहुजा ने इन छात्रों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद है। विद्यालय का मानना है कि ये छात्र आगे चलकर शूटिंग में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर सचिव पुलकित पाहुजा, प्रधानाचार्य आर के चाँदना,हेडमिस्ट्रेस पूनम गर्ग उपस्थित रहे।

# अंशु का हरियाणा क्रिकेट अंडर 17 टीम में चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। हरियाणा क्रिकेट अंडर 17 टीम में चयनित अंशु का अभिनंदन करते स्कूल संचालक व शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

बरसाना मोड़ स्थित एसईडी वमा विद्यालय के नौवीं कक्षा के छात्र अंशु का हरियाणा क्रिकेट टीम में अंडर 17 ऑलराउंडर के रूप में चयन हुआ है। अंशु दादरी जिले का पहला बच्चा है, जिसका चयन हरियाणा क्रिकेट टीम में ऑलराउंडर के रूप में हुआ है और अब क्रिकेट का सपना देखने वाले अंशु सांगवान कप्तान की भूमिका भी निभाएंगे। वहीं अंशु ऑनलाइन भी इरफान पठान क्रिकेट अकेडमी में कोचिंग के गुर सीख रहे है। अंशु ने क्रिकेट टीम में अपना स्थान सुनिश्चित कर अपने गांव छपार, विद्यालय व अपने माता-पिता का नाम भी रोशन किया है। अंशु की उपलब्धि के पीछे उनके कोच राहुल की अहम भूमिका रही है। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. जसवंत सहारन, निदेशक मुकेश जाखड़, सचिव विनोद जाखड़ व समस्त अध्यापकों ने छात्र अंशु को उपलब्धि की बधाई दी और उसका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के चेयरमैन व प्राचार्या मुकेश पूनिया ने कहा कि विद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा तैयार रहता है। विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रकट करने के लिए भी अनेक अवसर दिए जाते हैं, जिससे विद्यार्थी अपने अंदर छिपी प्रतिभा को सामने ला सकें।

# खेलों में शिवम स्कूल लोहानी का दबदबा

- भीम स्टेडियम भिवानी में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता के तीसरे दिन दिखाए जौहर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। खेलकूद प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी।

भीम स्टेडियम भिवानी में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता के तीसरे दिन विभिन्न खेल, स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया व जिला शिक्षा अधिकारी निर्मला दहिया की अध्यक्षता में चल रहे हैं। इस प्रतियोगिता में 11 आयु वर्ग शतरंज प्रतियोगिता में अवनी तंवर प्रथम, 3 किलोमीटर रेस में नीरज प्रथम, हाई जंप में नितेश प्रथम, 80 किलोग्राम वर्ग भार कुश्ती में युवराज कुसुंभी प्रथम, 100 मीटर रेस में देवेंद्र प्रथम, डिस्कस थ्रो में अखिल कुमार दिनोद प्रथम, हैमर थ्रो में आशीष द्वितीय, 1500 मीटर रेस में नीरज प्रथम स्थान पर रहे। यह सभी खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिला भिवानी का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभी विजेता खिलाड़ियों का स्कूल पहुंचने पर स्कूल संचालक देवेंद्र तंवर, निशांत तंवर, प्राचार्य संजय शर्मा, खेल विशेषज्ञ दिनेश तंवर, व प्रवक्ता रणविजय तंवर, प्रवीण तंवर, युद्धवीर सिंह तंवर आदि ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित होने पर बधाई दी। प्राचार्य संजय शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन बढ़ाते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मेडल लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

# खिलाड़ियों को ड्रेस भेंट की

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। जिला स्तर के लिए क्वालीफाई करने वाली खो खो टीम के खिलाड़ियों को ड्रेस वितरित करते अतिथि। फोटो: हरिभूमि

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय काकड़ौली हुकमी में स्कूली खेल प्रतियोगिता में जिला स्तर के लिए क्वालीफाई करने वाली खो खो टीमों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें विद्यालय के खिलाड़ियों को खेलों के क्षेत्र में उनके उत्साह और उपलब्धियों के सम्मान स्वरूप ड्रेस वितरित की। यह अवसर विद्यार्थियों के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण रहा।

विद्यालय की खो-खो अंडर-11 बालक व बालिका वर्ग तथा अंडर-19 बालिका वर्ग की टीमों को विशेष रूप से तैयार की गई ड्रेस प्रदान की। ड्रेस बाम्बे गारमेंट्स व आर्यन कंसल्टेंसी ने ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए सराहनीय पहल की। कुल 36 खिलाड़ियों को ड्रेस प्रदान की गई। विशेष अतिथि के रूप में संदीप व जयवीर श्योराण उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि गांव-गांव से प्रतिभाएं उभर रही हैं और उन्हें सही अवसर एवं संसाधन मिले तो वे खेलों में अपना परचम लहरा सकती हैं।

कार्यक्रम के संचालन में डीपीई सुरेश कुमारी और गजानंद की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय स्टाफ भारती, कमलेश, मीनू, सविता, सुशीला, रीतू, सुरेश, संजय, सुरेंद्र, संदीप, जगदीश आदि ने संदीप व जयवीर को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

## समाज के हर वर्ग तक पहुंचना और उनका विश्वास जीतना भाजपा का लक्ष्य : कौशिक

# संगठन मजबूती व कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार

- भाजपा की जिला के 6 मंडलों में अलग-अलग बैठकें आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। जिले के छह मंडलों की बैठक को संबोधित करते जिला अध्यक्ष।

भाजपा द्वारा शनिवार को जिले के 6 मंडलों में अलग-अलग बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना था। भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने सभी बैठकों में हिस्सा लिया और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। भिवानी जिला के 6 मंडलों, माधव मंडल, खरक मंडल, जोनपाल मंडल, केशव मंडल, तिगड़ाना मंडल व ग्रामीण मंडल में शनिवार को अलग-अलग बैठकें आयोजित हुईं। मौके पर नंदराम धानिया, ठाकुर विक्रम सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संदीप श्योराण, मीना परमार, रविंद्र बापोड़ा, मंडल अध्यक्ष नवीन परमार, नविता तंवर, शिवराज बागड़ी, धनराज यादव, सुनील धारेडू, सोनू शर्मा, जिला महामंत्री रमेश पचेरवाल, रेखा राघव, विशालजीत सिंह, लोकेश बंटी, प्रदीप प्रजापति, राजेश जांगड़ा, धीरज सैनी, जिला कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी राकेश मिश्रा, अंकित पालवास, टोनी राठौर सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान

इस मौके पर जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का लक्ष्य सिर्फ चुनाव जीतना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग तक पहुंचना और उनका विश्वास जीतना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। कौशिक ने कहा कि एक मजबूत संगठन ही पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र और राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का भी आग्रह किया। बैठकों में भाजपा के आगामी कार्यक्रमों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को बताया कि पार्टी जल्द ही कई नए अभियान शुरू करने जा रही है, जिनमें सदस्यता अभियान, वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान प्रमुख हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन अभियानों में बढ़-चढक़र हिस्सा लेने की अपील की। कौशिक ने कहा कि इन अभियानों के माध्यम से पार्टी जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित कर सकेगी और उनकी समस्याओं को समझ सकेगी। जिला अध्यक्ष ने शक्ति केंद्र प्रमुख एवं अध्यक्षों को निर्देश दिए कि सभी मंडल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाएं तथा उन्हे इस कार्यक्रम को सुनने के लिए प्रेरित करें। इन बैठकों में जिला प्रभारी रेणु डाबला भी विशेष तौर पर मौजूद रहीं। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों से अवगत करवाते हुए कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य प्रत्येक जन का जीवन स्तर सुधारना है, जिस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए केंद्र व भाजपा सरकार ने अनेक योजनाएं क्रियान्वित की है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित



रोहतक, रविवार 24 अगस्त 2025

# भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेषः गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

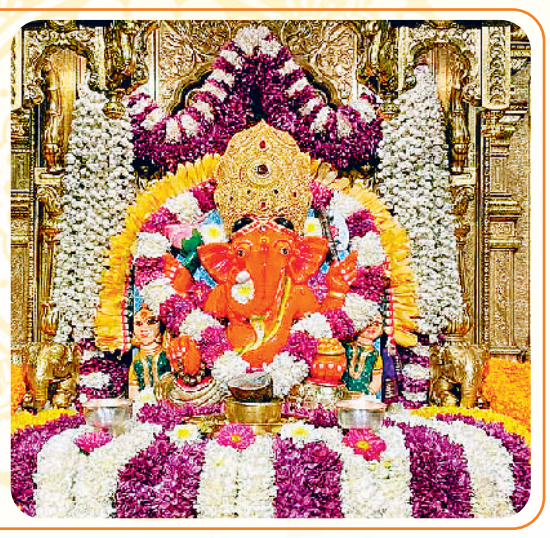

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

## श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

**यह भारत** में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

## रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

**यह मंदिर** राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

## उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

**तिरुचिरापल्ली के** रॉकफोट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

## कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

**चित्तूर में** स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोत्तुम चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

## बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

**मध्य प्रदेश** के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

## बाल गणपति मंदिर गोवा

**गोवा के** पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

# सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

**प्रतिमा स्थापना-पूजनः** गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

**अगर कर रहे प्रतिमा स्थापितः** गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

**महाराष्ट्र का भव्य पर्वः** यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

**मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजाः** मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

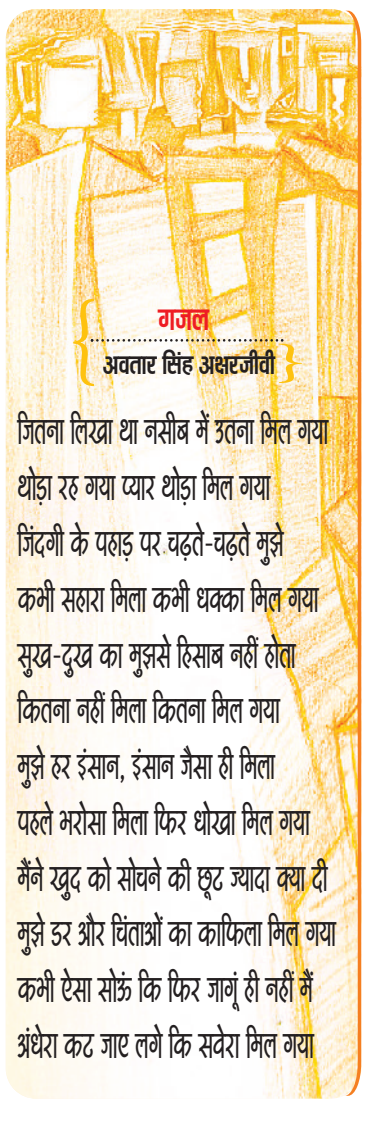

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

## एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

## नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

## दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषताओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

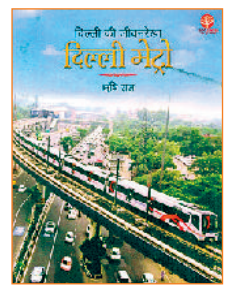

**पुस्तकः** दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो,
**लेखकः** ऋषि राज, **मूल्यः** 460 रुपए,
**प्रकाशकः** नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

हाल में ही भारत (इसरो) और अमेरिका (नासा) के संयुक्त प्रयास से निर्मित हाईटेक स्पेस राडार सिस्टम-निसार को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह पावरफुल सिस्टम धरती के हर हिस्से की बारीकी से तस्वीर लेने में सक्षम है। कैसे भेजा गया निसार, कैसे करेगा यह अपना काम और क्या हैं इसकी विशेषताएं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

## अंतरिक्ष से धरती पर रखेगा नजर
# नया स्पेस राडार निसार

उपलब्धि / शिखर चंद जैन

निसार राडार, अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसे ही नजर रखता है मानो कोई सीसीटीवी कैमरा 24 घंटे निगरानी रख रहा हो।

**क्या है निसार राडार:** यह एक सुपर उपग्रह है, जो दिन-रात, हर मौसम में हमारी पृथ्वी की तस्वीरें लेगा और हमें बताएगा कि हमारा ग्रह कैसे बदल रहा है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) है। इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह एक अंतरिक्ष यान जैसा है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाएगा और हमारी धरती की तस्वीरें लेगा। लेकिन ये तस्वीरें कोई साधारण फोटोग्राफ नहीं होंगे। निसार एक खास तकनीक, जिसे सिंथेटिक अपर्चर राडार कहते हैं, का इस्तेमाल करता है। यह तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि यह बादलों, बारिश, रात या दिन हर समय पृथ्वी की सतह की साफ-साफ तस्वीरें ले सकती है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगा और हमें ऐसी जानकारी देगा, जो पहले कभी इतने विस्तार से नहीं मिलती थी।

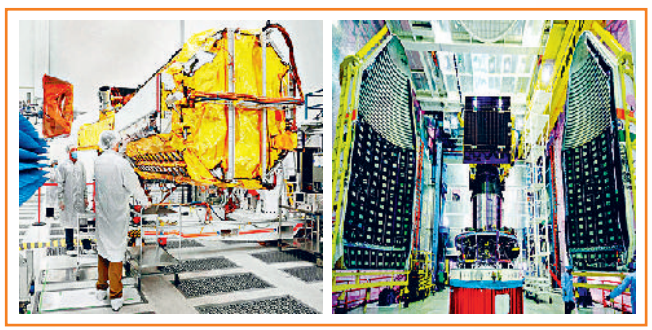

**कैसे शुरू हुआ मिशन:** अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में निसार मिशन भारत और अमेरिका की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण है। इसरो और नासा ने 2014 में इस मिशन के लिए साझा काम शुरू किया था। दोनों ने मिलकर इस उपग्रह को डिजाइन किया, जिसमें दोनों देशों की तकनीकी ताकत का इस्तेमाल हुआ है। नासा ने इसमें एल-बैंड राडार, एक बड़ा 12 मीटर का एंटीना, जीपीएस रिसीवर और डेटा रिकॉर्ड करने के लिए सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर लगाया है। इसरो ने एस-बैंड राडार, अंतरिक्ष यान का मुख्य ढांचा (सैटेलाइट बस) और इसे अंतरिक्ष में भेजने के लिए जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट दिया। यह उपग्रह 2,392 किलोग्राम वजनी है, यानी यह एक छोटी कार जितना भारी है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया।

**निसार की विशेषताएं:** निसार दूसरे उपग्रहों या राडारों से कई मामलों में अलग और विशिष्ट है। इसमें दो तरह के राडार हैं- एल-बैंड और एस-बैंड। ये दोनों मिलकर बहुत सटीक तस्वीरें लेते हैं। एल-बैंड लंबी तरंगों (24 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो जंगलों और मिट्टी के अंदर तक देख सकता है। एस-बैंड छोटी तरंगों (12 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो सतह की बारीक जानकारी देता है। यह हर मौसम में काम करने में सक्षम है। अंधेरा हो या उजाला, बारिश हो या धुंध, निसार हमेशा काम करता है, क्योंकि यह राडार तकनीक का इस्तेमाल करता है, न कि कैमरे का। इसका बड़ा एंटीना इसकी विशेषता है। निसार का 12 मीटर लंबा एंटीना सोने की परत वाली जाली से बना है। यह एक बड़े छाते जैसा लगता है। निसार हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी का नक्शा बनाएगा और 242 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र को स्कैन करेगा। यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से बदलावों को देख सकता है। निसार से मिलने वाली जानकारी पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

**निसार कैसे काम करता है:** आप जरूर जानना चाहेंगे कि यह उपग्रह इतनी सटीक तस्वीरें कैसे खींच लेता है? दरअसल, यह राडार सिग्नल पृथ्वी की सतह की ओर भेजता है। ये तरंगें सतह से टकराकर वापस इसके पास पहुंचती हैं। वापस आने वाली तरंगों को निसार का एंटीना पकड़ता है। इससे यह पता चलता है कि सतह कैसी है- चट्टान, पानी, बर्फ या जंगल। इन सिग्नलों को कंप्यूटर की मदद से तस्वीरों में बदला जाता है। ये तस्वीरें इतनी साफ होती हैं कि छोटे-छोटे बदलाव भी दिख जाते हैं, जैसे कि एक पहाड़ का हल्का-सा खिसकना। फिर निसार अपने डेटा को पृथ्वी पर मौजूद स्टेशनों को भेजता है, जहां वैज्ञानिक इसे अध्ययन करते हैं।

**निसार की जिम्मेदारी:** निसार एक सुपर स्मार्ट उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह को बहुत ध्यान से देखता है। यह हमें बताएगा कि हमारी धरती में क्या-क्या बदलाव हो रहे हैं? इसके मुख्य दायित्वों होंगे-

**प्राकृतिक घटनाओं पर नजर:** निसार भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को समझने में मदद करेगा। यह हमें पहले से चेतावनी दे सकता है, ताकि लोग सुरक्षित रहें। यह उपग्रह ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी और जंगलों में बदलाव को देखेगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारी धरती जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित हो रही है।

**कृषि और जंगल की निगरानी:** निसार मिट्टी की नमी, फसलों की स्थिति और जंगलों की कटाई की जानकारी देगा। यह किसानों को बेहतर खेती करने में मदद करेगा।

**महासागरों और बर्फ की निगरानी:** यह समुद्र में बर्फ, तूफान और जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। साथ ही यह शहरों के विकास और सड़कों, पुलों जैसी संरचनाओं की स्थिति को भी देखेगा।

**कब तक काम करेगा निसार:** निसार को कम से कम तीन साल तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि उपग्रह में उपयोग होने वाली सामग्री को 5 वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि प्राथमिक मिशन 3 साल तक चलेगा, लेकिन यदि आवश्यक हो तो इसे अतिरिक्त समय तक संचालित किया जा सकता है। यह पृथ्वी से 743 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस कक्षा में यह हमेशा सूरज की रोशनी में रहेगा, जिससे इसे ऊर्जा मिलती रहेगी। इसका डेटा भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। *

### अंतरिक्ष राडार का इतिहास

राडार का आविष्कार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था। मुख्य रूप से रॉबर्ट वाटसन को इसका श्रेय दिया जाता है। यह तकनीक रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं की दूरी, गति और दिशा का पता लगाने के लिए विकसित की गई थी।

शुरुआत में, राडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जैसे कि दुश्मन के विमानों का पता लगाना। राडार सिस्टम का उपयोग अंतरिक्ष यानों की स्थिति, गति और कक्षा को मॉनिटर करने के लिए किया गया।

# पहचानें अपनी कमजोरियां
# आत्मविश्वास से बढ़ें आगे

मनचाही सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी गुण है आत्मविश्वास। और आत्मविश्वास तभी मजबूत होता है, जब आप अपनी कमजोरियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

इस दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो संपूर्ण हो। चल-अचल, सजीव-निर्जीव हर रचना में कोई न कोई खामी है और किसी न किसी मायने में हर वस्तु, व्यक्ति, जीव और परिस्थिति अधूरी या कमजोर है। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि हमारे व्यक्तित्व, कार्यक्षमता, बौद्धिक-शारीरिक क्षमता या स्वभाव में कोई कमी न हो? इसलिए हमें अपनी कमजोरियों को लेकर विचलित, दुःखी या निराश होने की बजाय इनको पहचानना चाहिए और इनके प्रति सहज रहते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

**अपने डर के साथ आगे बढ़ें:** आत्मविश्वासी बनने के बारे में सबसे गलत धारणा यह है कि इसका मतलब है निडर होकर जीना जबकि आत्मविश्वास की वास्तविक परिभाषा इसके बिल्कुल विपरीत है। इसका मतलब है, हम हमारे लिए महत्वपूर्ण और मायने रखने वाले कामों को करते समय अपने भीतर की कमजोरियों और डर के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं। किसी बात को लेकर जब हमारे भीतर संशय हो और फिर भी हम आगे बढ़ने को तैयार हों तो इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है लेकिन अगर हम केवल वही काम करेंगे, जिसके बारे में हम आश्वस्त हैं तो हमारा आत्मविश्वास कभी पूर्व स्तर से आगे नहीं बढ़ सकता।

**डर को हावी न होने दें:** परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी मत होने दें। दूसरा कोई नहीं, केवल आप खुद ही अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं। हाल ही में फेमस एक्टर डायरेक्टर जैकी चान कहते हैं, 'जिंदगी हमें हराएगी लेकिन उससे मुकाबला करना जरूरी है।' फारसी कवि मौलाना मोहम्मद जलालुद्दीन रूमी ने कहा है, 'अपने जीवन के बेहद खराब दौर में हार ना मानें, क्योंकि यही से आपकी राह बदलेगी।' आपकी पीड़ाएं और कमजोरियां कुछ कहने की कोशिश करती हैं, इनको समझने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण यह है कि आप इनकी आवाज को कितना समझते हैं और उस पर कितनी और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

**कमजोरी से दोस्ती करें:** हमें यह पहचानना चाहिए कि हमारा डर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किस तरह से मदद कर सकता है? चर्चित पुस्तक 'व्हाई हैज नोबडी टोल्ड मी दिस बिफोर' में डॉ. जूली स्मिथ ने इस संदर्भ में बहुत गहरी बात कही है। उन्होंने लिखा है, 'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी कमजोरी से दोस्ती करें, क्योंकि यह कुछ समय के लिए आत्मविश्वास के बिना रहने का एकमात्र तरीका है।' आत्मविश्वास तभी बढ़ सकता है, जब हम इसके बिना रहने को तैयार होंगे, जब हम डर के साए में कदम रख सकें। यही साहस हमारे आत्मविश्वास को जमीन से ऊपर उठाता है। साहस पहले आता है, आत्मविश्वास उसके बाद।

**लोगों को न बताएं कमजोरियां:** आपकी कमजोरियां आपकी टॉप सीक्रेट लिस्ट में होनी चाहिए। व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों से अपनी तकलीफें और कमजोरी बताने की आदत ना डालें। किसी से ऐसा ना कहें कि आप बीमार रहते हैं और भीतर से टूट चुके हैं। ना ही किसी से अपनी विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करें। अपने पुराने दुखों और संघर्षों की वजह से खुद को उदास और चिड़चिड़ा ना बनाएं। पुस्तक 'नो युअर हिडेन पोटेंशियल' में कहा गया है, कई लोग जानते ही नहीं कि वे बेचैन क्यों हैं? अपनी इच्छाओं और कमजोरी को पहचानना शुरू करेंगे तो अपनी ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।'

**व्यक्तित्व के हर पहलू को समझें:** खुद को वैसे ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं। अपने साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, जैसा कि आप दूसरों के साथ करते हैं। 'एक्नॉलेज द टोटेलिटी ऑफ योर बीइंग' में समझाया गया है कि आप अपने हर पहलू को स्वीकार करना सीखें। इससे आप खुद के प्रति नरम और सकारात्मक हो जाते हैं। जब हम अपनी नकारात्मक भावनाओं और कमजोरी को कोई अनहोनी बड़ी बात या डरने वाली बात मानना बंद कर देते हैं तो ये चीजें आपको ज्यादा निराश नहीं करतीं। इन्हीं के साथ अपनी शक्तियां और कमजोरियां भी नोट करें। *

अवेयरनेस
प्रभाकांत कश्यप

अगर आप किसी भी सोशल मीडिया या एप का यूज करते हैं तो आपको इससे जुड़े नियम-कानून के बारे में जानकारी जरूर रखनी चाहिए। इससे आप कई मुसीबतों से बचे रहेंगे।

## इन नियमों को जरूर जानें
# सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023' को 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, इसी के साथ यह औपचारिक रूप से कानून बन गया था। लेकिन इस साल 2025 में इसके नियम और क्रियान्वयन तेजी से लागू हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया यूज करने वाले हर भारतीय को इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

**क्या है यह कानून:** डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक कानून है, जो आपके निजी डेटा की सुरक्षा करता है, जैसे कि- आपका नाम, फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, पैन कार्ड, हेल्थ रिपोर्ट, स्कूल/कॉलेज रिकॉर्ड, आपकी लोकेशन, बैंकिंग जानकारी और जो कुछ भी आपकी पहचान से जुड़ा है।

**क्यों जरूरी है इसे जानना:** भारत में आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, एप्स, सोशल मीडिया, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में अपना निजी डेटा ऑनलाइन शेयर करता है- जैसे आधार संख्या, मोबाइल नंबर, लोकेशन डेटा, बैंक डिटेल्स, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी, फेशियल और बायोमैट्रिक डेटा आदि। इस कानून का मकसद है कि आपका डेटा सुरक्षित रहे और कोई भी कंपनी या संस्था उसे आपकी अनुमति के बिना इस्तेमाल न कर सके।

**इस कानून की मुख्य बातें:** इस कानून में कई प्रावधान किए गए हैं। जैसे- यह कानून भारतीय नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आपकी अनुमति के बिना कोई भी आपका निजी डेटा नहीं ले सकता। आप किसी कंपनी से कह सकते हैं कि वो आपका डेटा डिलीट करे। जो कंपनी या संस्था आपका डेटा लेती है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। 18 साल से कम उम्र वालों का डेटा और भी कड़ी निगरानी में रहेगा। कानून पालन न करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार कंपनियों की डेटा प्रोसेसिंग भी बंद कर सकती है।

**आम आदमी के लिए क्या मायने:** इस कानून के जरिए अब आप जान सकते हैं कि कौन सी एप, बैंक या वेबसाइट आपका डेटा कैसे और क्यों इस्तेमाल कर रही है? आप अपना डेटा डिलीट करवाने या ट्रांसफर करने की मांग कर सकते हैं। आप सरकार या कंपनी से सवाल पूछ सकते हैं कि उन्होंने आपकी जानकारी कैसे ली और क्या किया?

**इस कानून का मकसद:** आपका निजी डेटा अब आपकी मर्जी के बिना, न कोई एप इस्तेमाल कर सकता है, न कोई वेबसाइट इसे सेव कर सकती है, न ही किसी कंपनी को बेचा जा सकता है।

**आपको क्या अधिकार मिलते हैं:** कोई भी एप/साइट आपके डेटा का इस्तेमाल आपकी इजाजत से ही कर सकती है। आप किसी भी कंपनी से अपना डेटा डिलीट करने को कह सकते हैं। अगर आपकी जानकारी गलत है, तो आप उसे ठीक करने की मांग कर सकते हैं। आप साफ मना कर सकते हैं कि आपका डेटा किसी और काम में इस्तेमाल न किया जाए।

**इसलिए है जरूरी:** अगर आप यह कानून नहीं जानते तो आपको कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आपका डेटा चोरी हो सकता है। आपकी बिना इजाजत कोई एप, आपकी लोकेशन, फोटो या कॉल लिस्ट चुरा सकता है। फ्रॉड कॉल/मैसेज बढ़ सकते हैं आपका नंबर बेचा जा सकता है, जिससे ठग आपको निशाना बना सकते हैं। बैंक फ्रॉड हो सकता है। आपकी निजी डेटा वायरल होने से शर्मिंदगी और तनाव हो सकता है।

**आप क्या कर सकते हैं:** कोई एप इंस्टॉल करने से पहले अनुमति जांचें। वेबसाइट पर 'प्राइवेसी पॉलिसी' पढ़ें। अपने डेटा के इस्तेमाल की जानकारी मांगें। अगर आपका डेटा गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ है, तो डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड में शिकायत करें। *

स्मरण
मनोज प्रकाश

जब भी दिल को छू लेने वाले कर्णप्रिय या भावनाओं से भरे दर्द भरे गीतों का जिक्र आता है, तो याद आते हैं बॉलीवुड के बीते सुनहरे दौर के लाजवाब गायक मुकेश। मुकेश की पुण्यतिथि (27 अगस्त) पर उनके गाए गीतों को याद कर रहे हैं लेखक।

# सिर्फ दर्द भरे नहीं हर मूड के गीत गाने में बेमिसाल थे मुकेश

बॉलीवुड की गीत-संगीत की गंगा में जिन नामों की धाराएं बहती हैं, उनमें गायक के रूप में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय माने जाते हैं। इनमें से मुकेश के गाने का अंदाज बहुत अनोखा और सीधे रूह को स्पर्श कर लेता है। उनके गाए सदाबहार गीत आज भी लोगों को पसंद आते हैं। मुकेश की आवाज तो कुछ एक्टर्स की पहचान से जुड़ गई थी तभी तो खुद राजकपूर ने मुकेश के निधन पर कहा था, 'मैंने आज अपनी आवाज को खो दिया है।'

**प्रारंभिक जीवन:** 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश का पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। मुकेश ने दसवीं तक की औपचारिक शिक्षा ली। कुछ समय तक उन्होनें पीडब्ल्यूडी में काम किया। मुकेश का रुझान शुरुआत से ही गीत-संगीत की तरफ था। उन्होंने गायन के क्षेत्र में भी प्रयास आरंभ किया। शुरुआती संघर्षों के बाद मुकेश बॉलीवुड के सफलतम गायकों में से एक के रूप में गिने जाने लगे।

मुकेश को अपनी आवाज मानते थे राज कपूर

**के. एल. सहगल से होती थी तुलना:** कहते हैं, मुकेश की आवाज में कई बार लोग के.एल. सहगल की आवाज को तलाशते थे। दरअसल, मुकेश की गायनशैली काफी हद तक उनसे मिलती थी। मुकेश ने कुछ ऐसे गीत भी गाए हैं, जिनमें वही दर्द है, जो के.एल. सहगल के गाए गीतों में महसूस होता है।

**दर्द भरे गीतों के आइकॉन:** मुकेश के गाए गीतों में एक ऐसी कशिश होती है, जो हर किसी को उसे सुनने के लिए अपनी ओर खींच लेती है। मुकेश को खासकर दर्द भरे गीतों का आइकॉनिक सिंगर माना जाता है। दर्द भरे गीतों को गाने में उनकी आवाज में वास्तविक दर्द छलकता महसूस होता है।

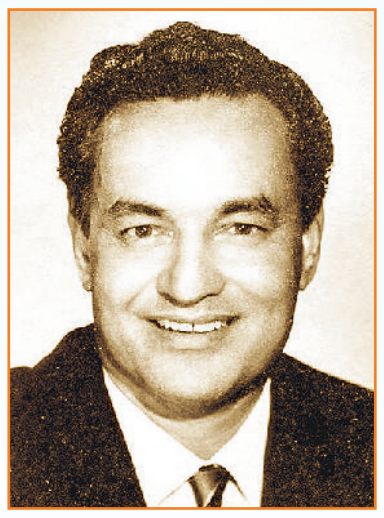

**देश-विदेश में पाई लोकप्रियता:** मुकेश के गाए गीतों को देश में ही नहीं विदेशों में भी खूब लोकप्रियता मिली। 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं।' राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का यह गीत भारत में ही नहीं तत्कालीन सोवियत संघ में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। मुकेश का गाया गीत 'मेरा जूता है जापानी' महफिलों-पार्टियों की शान हुआ करता था। उस दौर के अनेक यंगस्टर्स अपनी पार्टियों में मस्ती के मूड में इस गीत को कोरस में गाया करते थे।

**हर तरह के गीत गाए:** मुकेश को आमतौर पर लोग उनके दर्द भरे गीतो के लिए जानते हैं। लेकिन यह मुकेश की वर्सेटाइल सिंगिंग एबिलिटी का एक हिस्सा मात्र था। हकीकत तो यह है कि मुकेश ने हर मूड, हर सिचुएशन के लिए कमाल के गाने गाए हैं। 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है', 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए', 'सुहाना सफर और ये मौसम हसीं', 'मैं पल दो पल का शायर हूं', 'जाने कहां गए वो दिन', 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'मैंने तेरे लिए ही सात रंग के', 'इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल' जैसे गीतों में मुकेश की गायकी के अलग-अलग आयाम देखे जा सकते हैं। पर्वों को खुशनुमा बनाने के लिए भी मुकेश ने कई गीत गाए हैं। 'ये राखी बंधन है ऐसा' उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया। यह गीत आज भी रक्षाबंधन के अवसर पर खूब सुना जाता है।

फिल्म 'मिलन' के सीन में सुनील दत्त-नूतन

**टॉप सितारों को दी आवाज:** मुकेश को भले ही मुख्य रूप से 'राजकपूर की आवाज' के तौर पर जाना जाता रहा है, लेकिन मुकेश ने अपने दौर के लगभग सभी टॉप अभिनेताओं के लिए गाने गाए। राजकपूर के साथ-साथ मुकेश ने मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन, सुनील दत्त आदि के लिए भी एक से एक मधुर गीतों का इंद्रधनुष बिखेरा। फिल्म 'हिमालय की गोद में' मनोज कुमार पर फिल्माया उनका गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था', आज भी नई जेनरेशन के लवर्स गाते-गुनगुनाते हैं। फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माया गीत 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली से हमें तो गुजरना नहीं', आज भी लोकप्रिय है। लोकधुन से सजा मुकेश की सुरीली आवाज में फिल्म 'मिलन' का लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'सावन का महीना पवन करे सोर' सुनील दत्त पर फिल्माया गया। 'रात और दिन' में प्रदीप कुमार के लिए मुकेश ने 'रात और दिन दीया जले, मेरे मन में फिर भी अंधियारा है' गाया था।

**चला गया बेमिसाल गायक:** मुकेश, किशोर कुमार की तरह भले ही खिलंदड़ स्टाइल में नहीं गाते थे पर वह हल्के, रोमांटिक, भावपूर्ण तथा सहजता से भरे स्वर से जब किसी गीत को लय में पेश करते थे, तो श्रोताओं की सांसें थम जाती थीं और उनकी आवाज के साथ श्रोता खुद को मिलाने का प्रयास करने लगते थे।

वर्ष 1976 में मुकेश जब मिशिगन (यूएस) में एक प्रोग्राम देने गए थे तो उन्हें वहीं पर हार्ट अटैक हुआ और उनकी सांसें, 27 अगस्त 1976 को थम गईं। आज मुकेश स्मृति शेष जरूर हैं पर उनके गाए गीत दुनिया की फिजाओं में यही कह रहे हैं- 'जीना यहां-मरना यहां इसके सिवा जाना कहां.. ' *

नदी गाथा
वीना गौतम

## पारिस्थितिकी-जनजीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है महानदी

दक्षिण से पूर्व की ओर बहने वाली महानदी, गोदावरी और कृष्णा की तरह ही देश की एक महत्वपूर्ण नदी है। जलप्रवाह की दृष्टि से यह भारत की दसवीं सबसे बड़ी नदी है और नदी घाटी क्षेत्रफल के अनुसार इसका स्थान छठवां है। यह देश की छठवीं सबसे बड़ी नदी घाटी है।

**कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी:** इसकी लंबाई 858 किलोमीटर है और इसकी मुख्य सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, तेल, जोंक और मांड नदियां हैं। महानदी ओडिशा में एक विशाल डेल्टा बनाती है, जो कृषि के लिए अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है। इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 1,41,600 वर्ग किलोमीटर है। यह 53 फीसदी जलग्रहण छत्तीसगढ़ राज्य से करती है, जबकि 46 फीसदी जलग्रहण ओडिशा से करती है। शेष 1 प्रतिशत जलग्रहण क्षेत्र में महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्से आते हैं। महानदी के जरिए छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और इसी नदी के जल से भिलाई के इस्पात संयंत्र के लिए पानी मिलता है और शहर के लिए पेय जल भी। 1957 में जब इस नदी पर सबसे बड़ा मिट्टी का बांध हीराकुंड बना, उसके बाद से इसकी बाढ़ भयावहता कम हुई है।

**पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण:** जहां तक महानदी की जैव विविधता का सवाल है तो महानदी का बेसिन अनेक जलजीव, पक्षी और पौधों की प्रजातियों के लिए जाना जाता है। विशेषकर ओडिशा में चिल्का झील इसकी महत्वपूर्ण जैव विविधतापूर्ण जलराशि है। महानदी अपनी आर्द्रभूमि और मैंग्रोव वनों के लिए भी जानी जाती है, जो कि कार्बन सिंक और जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत सहायक हैं। महानदी के डेल्टा में बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है। इस तरह यह ओडिशा के लिए एक बहुत बड़ा आर्थिक स्रोत है। महानदी में बना हीराकुंड बांध जलविद्युत और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। महानदी अभी बहुत कम प्रदूषित है, इस वजह से भी इसका पारिस्थितिकीय महत्व अन्य बड़ी नदियों से बढ़कर है। *